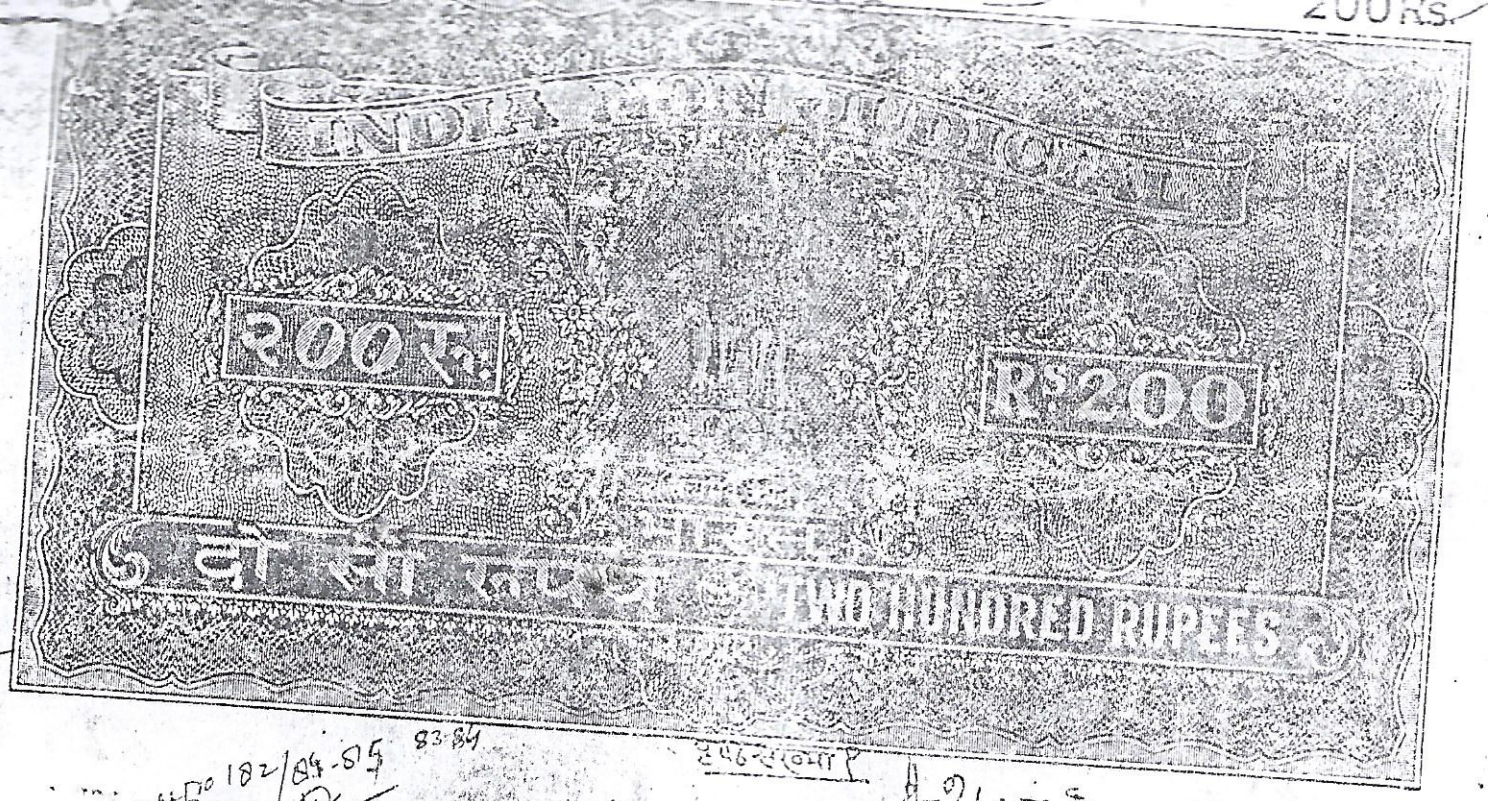

200 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

२०० रु.

Rs 200

दो सौ रुपये

TWO HUNDRED RUPEES

83-84

Partition case No. 182/84-85

र(धु) ४६४२.९५

रूपए - ६५.००

२०७.९५

१. श्री रामदेव विश्वकर्मा द्वितीय पक्ष बिभाजन पत्र लिखा लिखाया सो सही पत्र लिखा दुरुस्त है ता. १-१-८५

श्री जगदीश विश्वकर्मा द्वितीय पक्ष बिभाजन पत्र लिखा लिखाया दुरुस्त है ता. १-१-८५

सही - दिनेश्वर विश्वकर्मा तृतीय पक्ष बिभाजन पत्र लिखा सो सही पत्र लिखा दुरुस्त है ता. १-१-८५

श्री जगनारायण विश्वकर्मा तृतीय पक्ष बिभाजन पत्र लिखा सो सही दुरुस्त है ता. १-१-८५

उदयनाथ विश्वकर्मा चतुर्थ पक्ष बिभाजन पत्र लिखा सो सही ता. १-१-८५

संजय विश्वकर्मा चतुर्थ पक्ष बिभाजन पत्र लिखा सो सही पत्र ठीक है ता. १-१-८५

लेख्यकारी

१. श्री झंगु विश्वकर्मा Sri Jhangu Vishwakarma
पिता का नाम स्वर्गीय रघुनन्दन विश्वकर्मा प्रथमपक्ष
२. श्री रामदेव विश्वकर्मा Sri Ramdeo Vishwakarma
पिता का नाम स्वर्गीय रघुनन्दन विश्वकर्मा द्वितीयपक्ष
३. श्री जगदीश विश्वकर्मा Sri Jagdish Vishwakarma
४. श्री रामयाद विश्वकर्मा Sri Ramyad Vishwakarma
५. श्री रामेश्वर विश्वकर्मा Sri Rameshwar Vishwakarma
६. श्री दिनेश्वर विश्वकर्मा Sri Dineshwar Vishwakarma
लेख्यकारी संख्या ३,४,५ एवं ६ के पिता का नाम स्वर्गीय महंगु विश्वकर्मा - तृतीय पक्ष
७. श्री जगनारायण विश्वकर्मा Sri Jagnarain Vishwakarma
पिता का नाम स्वर्गीय रंगु विश्वकर्मा एवं
८ श्री उदयनाथ विश्वकर्मा Sri Udainath Vishwakarma
९ श्री सञ्जय विश्वकर्मा Sri Sanjay Vishwakarma
लेख्यकारी संख्या ८ एवं ९ सहोदर भाई पिता का नाम स्वर्गीय बद्रीनाथ विश्वकर्मा - चतुर्थ पक्ष
चारों पक्षों की जाति लोहार विश्वकर्मा - निवासी
ग्राम जपला थाना ...

चालीस रुपये

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

४० रु. 40RS

FORTY RUPEES

प्रगना एवं आकबर जपला- जिला पलामू- व्यवसाय कृषि एवं व्यापार।- लेख्यकारी संख्या ७ अर्द्ध भाग तथा ८ और ९ अर्द्ध भाग चतुर्थपक्ष में

पक्षकारि — प्रथम-पक्ष, द्वितीय-पक्ष, तृतीय-पक्ष एवं चतुर्थ-पक्ष परस्पर विभाजन करते हैं।

प्रकार — विभाजन-पत्र The Deed of Partition बखिका तकसीमनामा

मूल्य — संपूर्ण विभाजन संपत्ति का १0000=00 दस हजार रुपये मात्र।-
शिडयूल १ की संपत्ति का २५००=०० ढाई हजार रुपये मात्र।- प्रथमपक्ष
शिडयूल २ की संपत्ति का २५००=०० ढाई हजार रुपये मात्र।- द्वितीयपक्ष
शिडयूल ३ की संपत्ति का २५००=०० ढाई हजार रुपये मात्र। तृतीयपक्ष
शिडयूल ४ की संपत्ति का २५००=०० ढाई हजार रुपये मात्र।- चतुर्थपक्ष

विभाजन संपत्ति — १ भूखण्ड ९-७४½ नौ एकड़ साढ़े चौहत्तर डिसमिल जमीन धानखेत एवं टाँड़ विभाजन-संपत्ति है जो कि, संपूर्ण जमीन ९-९४ नौ एकड़ चौरानवे डिसमिल, जिसका पूरा विवरण आगे है, का खंड है- ग्राम जपला धरहरा (JAPLA DHARAHARA) प्रगना जपला- थाना, अञ्चल एवं निबन्धन कार्यालय हुसैनाबाद जिला पलामू हकीयत रैयती नकदी स्वार्जित एवं पैतृक संपत्ति दखलीसीर।

वार्षिक राजस्वकर विभाजन संपत्ति का २३.४० पैसे अलावे सेस
तौजीनम्बर १३१ थानानम्बर ३४६ खेवटनम्बर ४

—×—×—

२ भूखण्ड ५-८३ पाँच एकड़ तिरासी डिसमिल टाँड़ जिसका पूरा विवरण आगे है विभाजन संपत्ति है- ग्राम जपला चौबे JAPLA CHAUBEY) प्रगना जपला- थाना निबन्धन एवं अंचल कार्यालय हुसैनाबाद- जिला

९१. मो गु ९१९१३७७
१+१-८-५
सही रामदेव विश्वकर्मा ता: १-१-८५
सही जगदीश विश्वकर्मा ता: १-१-८५
सही रामप्रसाद विश्वकर्मा ता: १-१-८५
रमेश्वर विश्वकर्मा ता: १.१.८५
परमेश्वर विश्वकर्मा ता: १-१-८५
सही उमाकान्त विश्वकर्मा ता: १-१-८५
सही उदय नाथ विश्वकर्मा ता: १.१.८५
सही संजय विश्वकर्मा ता: १.१.८५

[illegible]

५ ग्राम जगला धरहरा तौजीनं० १३१ थानानं० ३४६ खेवटनं० ४

खाता नम्बर	प्लौट नम्बर	रकबा डी	विवरण जमीन जिससे प्राप्त है।	प्राप्ति केवाला संख्या एवं दिनांक
१२२	१०	०-३८	रघुनाथ लाल-भवनाथ लाल कुँआ वाला ३ क्यारी।	शुद्धि-पत्र सं. १४८४ जिल्द १८ पृष्ठ ३३/३६ सन १९६२ ई० केवालानं० १२५१ सन १९५२ ईस्वी का।
१२२	३२	०-१६	बाँके बिहारी कर्ण वाला २ क्यारी	शुद्धि पत्र १५६६ जिल्द १८ पृष्ठ १६१/१६४ सन १९६२ ई० केवालानं० २३१ सन ६० ईस्वी का।
१२२	२८८	०-०८	रघुनाथ लाल-भवनाथ लाल १ क्यारी	शुद्धि पत्र सं. १४८५ जिल्द १८ पृष्ठ ३८/४० सन १९६२ ई० केवालानं० ७६४ सन ५४ ई० का।
१२२	३५५	२-०४ }	ब्रह्मदेव मिश्रादि वीघा पर	केवालानं० ५३८ जिल्द ५ पृष्ठ ५५३-५५८ सन १९४६ ई०
१३७	३५६	०-२४ }		
८	३२१	०-४८½	मंगल प्र० सिंह आदि वाला (तेरह कट्ठा)	पट्टा बन्दोबस्ती सं. ३८३ जिल्द ७ का पृष्ठ ३९२ से ३९७ सन १९४८ ई० (४७५' लम्बा x ३०' चौड़ा।)
१०	१४८ }	०-२२½	बैजनाथ सहाय आदि इमलीतर	विक्रयनपत्र सं. १०२० जिल्द १४ पृष्ठ १००/१०३ सन १९५५ ई०
	१४९ }			
१२२	१२१	१-०७	मो० कौशल्यादेवी इमलीतर	केवालानं० ६०३ जिल्द ११ पृष्ठ २८०-२८३ सन १९५१ ईस्वी
१०	२०८ }	०-८४	मो० कौशल्या देवी बड़इया पारी	केवालानं० ७८१ जिल्द ११ पृष्ठ ४५८/४६५ सन १९५५ ई०
	२१० }			
८०	२१६	०-१६½	उपेन्द्र नाथ मिश्र देवीस्थान	केवालानं० ५८३ जिल्द १० पृष्ठ २३६/२४० सन १९६८ ईस्वी।
८०	२१६	०-११½	अखिलेश्वर प्र० कर्ण (नन्दू वाला)	केवालानं० १८०४ जिल्द १८ पृष्ठ २०१/२०५ सन १९७६ ई०
२०	२११	०-१६	रामदेव चौधरी (मुसाडी पारी)	केवालानं० २२३१ जिल्द ५ पृष्ठ २१६/२२१ सन १९६१ ईस्वी। बसिकावाल्हे ६६ ई०
२०	२११	०-१८	उपर्युक्त	केवाला नं० ५३६ जिल्द ८ पृष्ठ ११५/११८ सन १९६६ ई०
२०	२११	०-१८	नरेश चौधरी	केवालानं० २२३ जिल्द ४ पृष्ठ ५/८ सन १९६३ ईस्वी।
२०	२११	०-१९	उपर्युक्त	केवालानं० २१२ जिल्द २ पृष्ठ ५६८/५७२ सन १९६३ ई०
२०	२११	०-१०	मुसड़ी चौधरी	केवालानं० ८६४ जिल्द १५ पृष्ठ ४३० से ४३३ सन ६८ ईस्वी
२०	२११	०-०८	उपर्युक्त	केवालानं० ८६५ जिल्द १६ पृष्ठ १०३ से १०६ सन ६८ ईस्वी
२०	२११	०-०९½	उपर्युक्त	केवालानं० ५१५ जिल्द १० पृष्ठ १०२ से ११२ सन १९६६ ईस्वी
२०	२११	०-०८½	उपर्युक्त	केवालानं० ७५० दिनांक ३१-३-७५ ई०
१०	११८	०-१८½	रघुनाथ लाल भवनाथ सहाय - तालाब पर	केवालानं० ६०८ जिल्द ११ पृष्ठ ८०/८४ सन १९४८ ई.
१०	११८	०-८	०-६८ डि० में से ०-४०½ डि० खादी की बिक्री के बाद	

गो: - मौजा १३
मा. ग्रा. - १ - ८५
सही रामदेव विश्वकर्मा
ता: १-१-८५
सही जगदीश विश्वकर्मा
ता: १-१-८५
सही रामचन्द्र विश्वकर्मा
ता: १-१-८५
रामेश्वर विश्वकर्मा ता: १.१.८५
दिनेश्वर विश्वकर्मा
ता: १-१-८५
सही जगन्नाथ विश्वकर्मा
ता. १-१-८५
सही अवधनाथ विश्वकर्मा
ता: १.१.८५
सही संजय विश्वकर्मा
ता १.१.८५

ग्राम जपला धरहरा मौजी नं० १३१ थाना नं० ३४८ खेवट नं० ४

खाता नम्बर	प्लॉट नम्बर	रकबा ए डी	विवरण जमीन जिससे प्राप्त है	प्राप्ति केवाला संख्या एवं दिनांक
२१	३४८	०-८१	रामनरेश मिस्त्री ढेलहा अहरा	केवाला नं० १३४ जिल्द ५ पृष्ठ २५५/२५९ सन् १९५५ ईस्वी
५०	३४१	०-२९	रामरक्षा चौधरी (बीघा पर)	केवाला नं० ४२८ जिल्द ९ पृष्ठ ६१ से ७० सन् १९६८ ई०
१४	३४५	०-२६½	श्रीमती कैतून बीबी (बीघा पर)	केवाला नं० २५९० जिल्द ७ पृष्ठ १६४ से १७ सन् १९६९ ई०
१०	३५२	०-५०	भवनाथ सहाय रघुनाथ लाल (अहरा)	वापिस ६८ ई० केवाला नं० ६८ जिल्द ३ पृष्ठ ३९८/४०१ सन् ५९ ईस्वी।

योग रकबा २७ सत्ताईस प्लॉट में ९-९४ में से ९-७४½ डिसिमल ही विभाजन संपत्ति है

२ ग्राम जपला-चौबे मौजी नं० १३१ थाना नं० ३३८ खेवट नं० २/३

खाता नम्बर	प्लॉट नम्बर	रकबा ए डी	विवरण जमीन जिससे प्राप्त है	प्राप्ति केवाला संख्या एवं दिनांक
१२३	८९५	५-८३	धुर्मिक्षण साहु आदि से। कबेला पर	केवाला नं० १०२२ जिल्द १२ पृष्ठ १६७ से १७१ सन् १९४२ ईस्वी

। पाँच एकड़ तिरासी डिसिमल विभाजन संपत्ति है।

-। संक्षिप्त विवरण हिस्सा तख्ता चारों पक्षों की।

पक्ष	हिस्सा ग्राम जपला धरहरा ए डी	वार्षिक कर रु. पै.	हिस्सा ग्राम जपला चौबे ए डी	वार्षिक कर रु. पै.	कुल योग जमीन ए डी	राजस्व कर रु. पै.
प्रथम-पक्ष	२-५२½	५-९५	१-४५	०-७४	३-९७½	६-६९
द्वितीय-पक्ष	२-३९½	४-७१	१-४५	०-७४	३-८४½	५-४५
तृतीय-पक्ष	२-४१	६-१९	१-४८	०-७४	३-८९	६-९३
चतुर्थ-पक्ष	२-४१½	६-५५	१-४५	०-७४	३-८६½	७-२९
	९-७४½ डि०	२३-४० पै०	५-८३ डि०	२-९६ पै०	१५-५७½ डि०	२६-३६

ह०- मं० गुलाबी ... ता०- १-१-८५
सही रामदेव मिश्र
ता: १-१-८५
सही जगदीश मिश्र
ता: १-१-८५
सही रामचन्द्र मिश्र
रामेश्वर मिश्र ता: १-१-८५
दिनेश्वर मिश्र ता: १-१-८५
सही गंगा सागर मिश्र
ता: १-१-८५
सही उदयनाथ मिश्र
ता: १-१-८५
सही संजय मिश्र
ता: १-१-८५

१ तरक्‍ता नम्बर १ एक - प्रथम-पक्ष, श्री भंगु विश्वकर्मा - मूल्य २५००) रुपये

(क) ग्राम जपला धरहरा तौजीन० १३१ थानान० ३४६ खेवटन० ४
रकबा २-५२½ डि० वार्षिक कर ५-७२ पैसा।

खाता नं०	प्लौट नं०	नाम व किस्म जमीन	रकबा ए डी	उत्तर	दक्षिण	पूरब	पश्चिम	वार्षिक कर रु० पै०
१२२	१२१	धान ३ कौशल्यादेवी	०.७२	पिल्लुसाव	बैजनाथ सहाए	सड़क	परती	१-०५
	१४८	धान ३ बैजनाथ सहाए	०.२२½	निज	बनारसी मिस्त्री	बनारसी मिस्त्री	परती	१-००
१०	१४७							
२१	३४६	टाँड़ ३ नरेश मिस्त्री	०.८१	परतीपिंड	परतीपिंड	हलखोरी तेली		१-६०
१४	३४५	टाँड़ ३ जैतुनबीबी	०.२६½	उपर्युक्त	निज	बखोरी कहार	निज	१-००
१२२	१२१	धान ३ कौशल्यादेवी	०.१५	पिल्लुसाव	बनारसी मिस्त्री	सड़क	निज	×××
१०	११८	धान ३ उपर्युक्त	०.१५½	जगदीश विश्वकर्मा	जगनारायण विश्वकर्मा	सड़क	तालाब का पिंड	०-५०

योग खंड प्लौट ७ सात — २-५२½ डि० — ५-७२ पै०
दो एकड़ साढ़े बावन डिसिमल

पूरब से पश्चिम २६६ कड़ी दक्षिण से उत्तर पूरबतरफ ५८ कड़ी तथा दक्षिण से उत्तर पश्चिम तरफ ५५ कड़ी।

×

(ख) ग्राम जपला - चौबे तौजीन० १३१ थानान० ३३६ खेवटन० २/३.
रकबा १-४५ डि० वार्षिक कर ०.९४ पैसा।

खाता नं०	प्लौट नं०	नाम व किस्म जमीन	रकबा ए डी	उत्तर	दक्षिण	पूरब	पश्चिम	वार्षिक कर रु० पै०
१२३	६७५	धुर्मिदान तेली वाला टाँड	०.३३	रामदेव विश्वकर्मा	जगनारायण विश्वकर्मा	सड़क	रामदेव विश्वकर्मा	०.६४
			१-१२	मुद्दरमियाँ	परतीकदीम	रामदेव विश्वकर्मा	जगनारायण विश्वकर्मा	

एक प्लौट के दो खंडों में — १-४५ एक एकड़ पैंतालिस डिसिमल

२ तरक्‍ता नम्बर २ दो, द्वितीय-पक्ष, श्री रामदेव विश्वकर्मा - मूल्य २५००) रुपये।

(क) ग्राम जपला धरहरा तौजीन० १३१ थानान० ३४६ खेवटन० ४
रकबा २-३७½ डि० वार्षिक कर ४-७१ पैसा

खाता नं०	प्लौट नं०	नाम व किस्म जमीन	रकबा ए डी	उत्तर	दक्षिण	पूरब	पश्चिम	वार्षिक कर रु० पै०
१२२	३५५	धान ३ ब्रह्मदेव मिश्र वाला उत्तर तरफ पूरब से पश्चिम	१.३०	मोहन महतो	जगदीश विश्वकर्मा	मोटा पिंड	[illegible] कहार	१-५०
५०	३४१	टाँड़ ३ रामरक्षा चौधरी	०-२७	निज	निज	निज	हलखोरी तेली	१-३३
१०	३५२	टाँड़ ३ रघुनाथ लाल भोनाथ सहाए	०.५०	परतीपिंड	बैजनाथ सहाए	करीमन तेली	बाँके बिहारी लाल।	१-००
१०	११८	धान ३ कौशल्यादेवी	०-३०½	हरि प्र० अग्रवाल	जगदीश विश्वकर्मा	सड़क	पिंड तालाब	०-८८

योग खंड ४-चार प्लौटों में — २-३७½ दो एकड़ साढ़े उनतालिस डिसिमल — ४-७१

प्लौट न० ११८ में दक्षिण से उत्तर १२२ कड़ी पूरब तरफ - पूरब से पश्चिम २०२ कड़ी - दक्षिण से उत्तर १२१ कड़ी पश्चिम की तरफ।

×

(ख) ग्राम जपला चौबे तौजीन० १३१ थानान० ३३६ खेवटन० २/३
रकबा १-४५ डि० वार्षिक कर ०.९४ पैसा।

खाता नं०	प्लौट नं०	नाम व किस्म जमीन	रकबा ए डी	उत्तर	दक्षिण	पूरब	पश्चिम	वार्षिक कर रु० पै०
१२३	६७५	धुर्मिदान तेली वाला टाड	०.३४	सेंगु मियाँ	भंगु विश्वकर्मा	सड़क	निज	०.९४
			१-११	मुद्दर मियाँ	परती	निज व भंगु विश्वकर्मा [illegible]	भंगु विश्व[illegible]	

योग एक ही प्लौट के दोनों [illegible]

ह० - मंगरु विश्वकर्मा
ता० १-१-८५
सही रामदेव विश्वकर्मा
ता० १-१-८५
सही जगदीश विश्वकर्मा
ता० १-१-८५
सही रामप्रसाद विश्वकर्मा
ता० १-१-८५
रामेश्वर विश्वकर्मा ता० १-१-८५
दिनेश्वर विश्वकर्मा
ता० १-१-८५
सही जगनारायण विश्वकर्मा
ता० १-१-८५
सही उदयनाथ विश्वकर्मा
ता० १.१.८५
सही संजय विश्वकर्मा
ता० १.१.८५

पृष्ठ संख्या ६

३ तख्ता नम्बर ३ तीन, तृतीय-पक्ष, श्री जगदीश विश्वकर्मा, श्री रामयाद विश्वकर्मा, श्री रामेश्वर विश्वकर्मा एवं श्री दिनेश्वर विश्वकर्मा मूल्य २५००) रुपये।

(क) ग्राम जपला धरहरा तौजीनं० १३१ थानानं० ३४६ खेवटनं० ४
रकबा २-४१ डि०   वार्षिक कर ६-१५ पैसा।

खाता नम्बर	प्लौट नम्बर	नाम व किस्म जमीन	रकबा ए डी	उत्तर	दक्षिण	पूरब	पश्चिम	वार्षिक कर रु० पै०
१२२	३५५	धान ३ अलखदेव मिश्र	०-१४	रामदेव विश्वकर्मा	निज	मोटा पिंड	लक्ष्मण कहार	१-००
१३१	३५६	उपर्युक्त	०-२४					
१२२	२८८	रघुनाथ लाल	०-०५	निज	सहदेव कुम्हार	निज	बाँके बिहारी कर्ता	०-२५
१२२	३२०	भवनाथ लाल धान ३ बाँके बिहारी लाल						
१२२	३२०	रघुनाथ लाल भोनाथ लाल धान ३	०-१६	निज	पिंड सेखवा	निज	सहदेव कुम्हार	१-००
८	३२१	कुआँ समेत धान ३ मंगल सिंह कुबेर सिंह	०-३५	उपर्युक्त	उपर्युक्त	मोटा पिंड	निज	१-००
१०	११८	धान ३ कोशल्या देवी	०-४८½	निज	निज	पिंड	लक्ष्मण कहार	२-००
		धान ३ कोशल्या देवी	०-३०½	रामदेव विश्वकर्मा	मंगु विश्वकर्मा	सड़क पिंड	तालाब	०-५४

योग खंड = आठ ———— २-४१ दक्षिण से उत्तर ११८ कड़ी पूरब तरफ पूरब से पश्चिम २६२ कड़ी और दक्षिण से उत्तर ११२ कड़ी पश्चिम तरफ।
दो एकड़ एकतालिस डिस्मिल ६-१५ पै०

(ख) ग्राम जपला चौबे तौजीनं० १३१ थानानं० ३३६ खेवटनं० २/३
रकबा १-४८ डि०   वार्षिक कर ०-९४ पैसा।

खाता नं०	प्लौट नं०	नाम व किस्म जमीन	रकबा ए डी	उत्तर	दक्षिण	पूरब	पश्चिम	वार्षिक कर रु० पै०
२३	६-२	बहर ३ कुशेनदवानतके	०-३५	जगनारायण विश्वकर्मा	परती कदीम	सड़क	रामदेव विश्वकर्मा	०-९४
			१-१३	रेलवे लाइन	सेधु मिया	जगनारायण विश्वकर्मा	रेलवे लाइन	

योग २ प्लौट के दो खेतों में १-४८ एक एकड़ अड़तालिस डिस्मिल।

४ तख्ता नम्बर ४ चार, चतुर्थ-पक्ष, श्री जगनारायण विश्वकर्मा, तथा श्री उदयनाथ विश्वकर्मा व श्री दुखन्जय विश्वकर्मा - मूल्य २५००) रुपये

(क) ग्राम जपला धरहरा तौजीनं० १३१ थानानं० ३४६ खेवटनं० ४
रकबा २-४१½ डि०   वार्षिक कर ६-५५ पै०

खाता नं०	प्लौट नं०	नाम व किस्म जमीन	रकबा ए डी	उत्तर	दक्षिण	पूरब	पश्चिम	वार्षिक कर रु० पै०
२०	२११	धान ३ मुसड़ी चौधरी	१-०५	मुलनसाव	निज	उपेन्द्र मिश्र	रामदीया मंदिर खेत	३-६३
१०	२१०	धान ३ कौशल्या देवी	०-१८	निज	कोदु मिस्त्री	उपर्युक्त	उपर्युक्त	२-००
८०	२१६	धान ३ उपेन्द्र मिश्र	०-१६½	मुलनसाव	निज	देवीमंडप	निज	०-२५
८०	२१६	धान ३ अखिलेश्वर प्रसाद	०-११½	निज	नथुनी जेहरी	अखिलेश्वर प्रसाद	कोदु मिस्त्री	०-२३
१०	२१० / २०५	धान ३ कोशल्या देवी पिपरतर	०-१६	मंदिर खेत	बनारसी मिस्त्री	सहदेव कुम्हार	सड़क	××
१०	११८	धान ३ कोशल्या देवी	०-१३½	मंगु विश्वकर्मा	रामाधार	सड़क	पिंड तालाब	०-४४

योग खंड ७ सात प्लौट में दो एकड़ एकतालिस डिस्मिल २-४१½
द० से उ० २८ कड़ी पूरब तरफ - पू० से प० २८४ कड़ी - द० से उ० ४१ कड़ी पश्चिम तरफ   ६-५५
कुआँ समेत।

(ख) ग्राम जपला चौबे तौजीनं० १३१ थानानं० ३३६ खेवटनं० २/३
रकबा १-४५ डि०   वार्षिक कर ०-९४ पैसा।

खाता नं०	प्लौट नं०	नाम व किस्म जमीन	रकबा
१२३	६४५		

११:- मंगला
११-११-८५
सही रामदेव मिश्र
ता: १-१-८५
सही जगदीश विश्वकर्मा
ता: १-१-८५
सही रामयाद विश्वकर्मा
ता: १
रामेश्वर विश्वकर्मा
दिनेश्वर विश्वकर्मा
१-१-८५
सही जगनारायण विश्वकर्मा
ता: १-१-८५
सही उदयनाथ विश्वकर्मा
ता: १.१.८५
सही दुखन्जय विश्वकर्मा
ता: १.१.८५

विदित हो कि श्री रघुनन्दन विश्वकर्मा के चार पुत्र हुए 1 श्री महंगु विश्वकर्मा, 2 श्री रंगु विश्वकर्मा, 3 श्री मंगु विश्वकर्मा और 4 श्री रामदेव विश्वकर्मा। इन चारों भाइयों का संयुक्त मिताक्षर हिन्दू परिवार था। इनमें से श्री रंगु विश्वकर्मा सबसे पहले स्वर्गवास कर गये, जिनके दो पुत्र श्री जगनारायण विश्वकर्मा एवं श्री बद्रीनाथ विश्वकर्मा उत्तराधिकारी थे। जिनमें से श्री बद्रीनाथ विश्वकर्मा भी अपने दो पुत्रों श्री उदयनाथ विश्वकर्मा तथा श्री [illegible] विश्वकर्मा का अपना निजी वारिस छोड़कर एक दुर्घटना में स्वर्गवास कर गये। अभी हाल में ही श्री महंगु विश्वकर्मा भी अपने चार पुत्रों श्री जगदीश विश्वकर्मा, श्री रामप्रसाद विश्वकर्मा, श्री रामेश्वर विश्वकर्मा एवं श्री दिनेश्वर विश्वकर्मा को अपना निजी वारिस छोड़कर स्वर्गवास कर गये। श्री मंगु विश्वकर्मा एवं श्री रामदेव विश्वकर्मा स्वयं जीवित हैं। यह कि चारों पक्षों के बीच इस विभाजन-पत्र में वर्णित पृष्ठ संख्या 5 और 6 के अनुरूप पूर्व में ही हिस्सा-तरका लग गया था और उसी अनुरूप सभी पक्ष अपने-अपने हिस्से-तरके पर काबिज-दखील विगत दसवर्षों से चले आते हैं। लेकिन परिवार में हिस्सेदारों की मृत्यु तथा अन्य परिस्थितियों के कारण विभाजन-पत्र निबन्धित नहीं हो पाया था जिससे विभाजन का स्थायी सबूत नहीं हो [illegible]

अतः हम चारों पक्षों एवं पक्षों के सदस्यों ने आपस में एक राय होकर तथा पारस्परिक सामञ्जस्य एवं सद्भाव पूर्ण वातावरण में आपसी सहमति के अनुसार अपने-अपने हिस्से तरके में उल्लिखित इस विभाजन-पत्र के हिस्से-तरके के अनुसार विभाजन कर लिया। अब किसी एक पक्ष को अन्य पक्षों के साथ अच्छा, बुरा, कम या बेशी या किसी [illegible] आधार पर लिखित विभाजन जमीन व हिस्सा-तरका कि [illegible] किस्म का विवाद, मनमुटाव या कटु सम्बन्ध नहीं रहा, न है और न रहेगा। प्रत्येक पक्ष को यह हक और अधिकार प्राप्त हुआ कि उस पक्ष के हिस्से में जो भी भूमि प्राप्त है वह पक्ष अपने हिस्से की भूमि पर अपना दाखिल खारिज राजस्व विभाग बिहार राज्य में अलग कराकर कर आदि देकर रसीद या प्रमाण-पत्र प्राप्त करे तथा अपने हिस्से तरके की जैसी भी आधुनिक एवं वैज्ञानिक उन्नति, विक्रय, हस्तान्तरण, भार देना, बंधक लेना या जिस प्रकार का मामला जिस पक्ष के साथ करना चाहें करें तथा पुरातन एवं नूतन भू या भवन निर्माण सम्बन्धी सुविधा सिंचाई आदि की व्यवस्था का पूरा-पूरा लाभ सभी पक्ष अपने अपने हिस्से-तरके के सम्बन्ध में उठावें या करें। अथवा जो चाहें करें।

[illegible] -मंगु [illegible]
[illegible]-9-9-25
सही रामदेव विश्वकर्मा
ता: 9-9-25
सही जगदीश विश्वकर्मा
ता: 9-9-25
सही रामप्रसाद विश्वकर्मा
ता: 9-9-25
रामेश्वर विश्वकर्मा ता: 9-9-[illegible]
दिनेश्वर विश्वकर्मा
9-9-25
सही जगनारायण विश्वकर्मा
ता. 9-9-25
सही. उदय नाथ विश्वकर्मा
ता. 9.9.25
सही. संजय विश्वकर्मा
ता. 9.9.25

गवाह दशरथ विश्वकर्मा पुत्र [illegible] पक्ष
ग्राम [illegible] बरहरा वार्ड नं० 2
थाना हुसैनाबाद जिला-पलामू
ता: 9-9-25

अतः हम सदस्य चारों पक्षों ने शरीर, मन एवं बुद्धि की स्वस्थता तथा स्थिरता में पारस्परिक सद्भाव एवं आपसी समझ-बूझ और तालमेल के अनुसार यह विभाजन-पत्र स्वीकार करते हुए निबन्धित कर दिया कि समय पर काम आवे तथा प्रमाण रहे।

दिनांक १ एक जनवरी सन १९८५ पचासी ईस्वी तदनुसार माह पौष संवत २०४१ एकतालिस शाके १९०६ ई० एवं फसली १३९२ बानबे। मंगलवार

लिपिकार: चन्द्रेश्वर प्रसाद (अधिवक्ता)
जगमोहन-कुटीर ग्राम एवं डाकघर जपला
जिला पलामू। मैंने यह विभाजन-पत्र
सभी पक्षों को सुना और समझा दिया।

[illegible] राजेश्वर विश्वकर्मा पुत्र प्रथम पक्ष
स्थान जपला धरधरा वार्ड नं० २
हुसैनाबाद जिला पलामू ता: १।१।८५

सा० - मोती [illegible]
ता०- १।१।८५
सही रामदेव विश्वकर्मा
ता०: १-१-८५
सही जगदीश विश्वकर्मा
ता० १-१-८५
सही रामयाद [illegible]
ता० १-१-[illegible]
रामेश्वर विश्वकर्मा। ता: १.१[illegible]
[illegible] विश्वकर्मा
१-१-८५

सही जगन्नाथ विश्वकर्मा
ता० १-१-८५
सही उदय नाथ विश्वकर्मा
ता० १.१.८५
सही संजय विश्वकर्मा
ता० १.१.८५